# बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च २०२०
# हिंदी लोकभारती

**समय: ३ घंटे** | **कुल अंक: ८०**

**सूचनाएँ:**

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

## विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

**1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[8]**

**नागर जी :** लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था। आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था। सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं। छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था। घर में दो पत्रिकाएँ मँगाते थे मेरे पितामह। एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी'। उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था। आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े। शरतचंद्र को बाद में। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा। उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास 1930 में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

**तिवारी जी :** क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

**नागर जी :** नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय 1928-1929 में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी- 'कब लौं कहौं लाठी खाय!' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

(1) नाम लिखिए: (2)

**गद्यांश में उल्लेखित**

| पत्रिकाएँ | उपन्यास |
|---|---|
| (1) .......................... | (1) .......................... |
| (2) .......................... | (2) .......................... |

(2) लिखिए: (2)

(i) लेखक का पहला मित्र –

..................................................................................

(ii) लेखक की पहली कविता –

..................................................................................

(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: (2)

(i) प्रत्यययुक्त शब्द:

(1) ........................... (2) ...........................

(ii) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता:

(1) ...........................

(2) ...........................

(4) 'पढ़ोगे तो बढ़ोगे' विषय पर 25 ते 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

**(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]**

कुछ देर बाद हमारी टैक्सी मडगाँव से पाँच किमी दूर दक्षिण में स्थित कस्बा बेनालियम के एक रिसॉर्ट में आकर रुक गई। यह रिसॉर्ट हमने पहले से बुक कर लिया था। इसलिए औपचारिक खानापूर्ति कर हम आराम करने के इरादे से अपने-अपने स्यूट में चले गए। इससे पहले कि हम कमरों से बाहर निकलें, मैं आपको गोवा की कुछ खास बातें बता दूँ। दरअसल, गोवा राज्य दो भागों में बँटा हुआ है। दक्षिण गोवा जिला तथा उत्तर गोवा जिला। इसकी राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यह नदी काफी बड़ी है तथा वर्ष भर पानी से भरी रहती है। फिर भी समुद्री इलाका होने के कारण यहाँ मौसम में प्राय: उमस तथा हवा में नमी बनी रहती है। शरीर चिपचिपाता रहता है लेकिन मुंबई जितना नहीं, क्योंकि यहाँ का क्षेत्र हरीतिमा से भरपूर है फिर भी धूप तो तीखी ही होती है।

यों तो गोवा अपने खूबसूरत सफेद रेतीले तटों, महँगे होटलों तथा खास जीवनशैली के लिए जाना जाता है लेकिन इन सबके बावजूद यह अपने में एक सांस्कृतिक विरासत भी समेटे हुए है।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

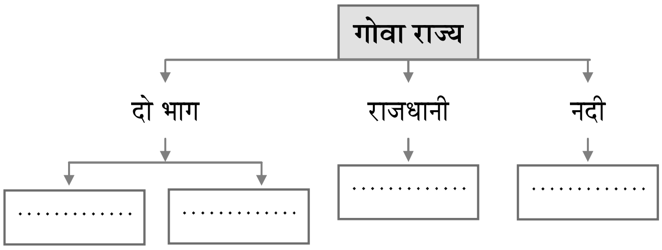


(2) उत्तर लिखिए: (2)

गद्यांश में उल्लेखित नदी की विशेषताएँ

(1) ........................................

(2) .....................................

(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) अनौपचारिक – ........................................

(2) छाँव – ........................................

(ii) गद्यांश से अंग्रजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(1) ........................................

(2) ........................................

(4) 'पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

**(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[4]**

जापानी और चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व जीव-जन्तुओं की गतिविधियों के आधार पर चेतावनी देने का प्रयत्न किया है। वास्तव में 4 फरवरी, 1975 को चीन के हाइचेंग क्षेत्र में आए भूकंप का पूर्वानुमान चीनी वैज्ञानिकों ने भूकंप आने के कुछ दिन पूर्व से मेंढकों व साँपों के अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आने, मुर्गियों की बेचैनी और अपने दरबों से दूर भागने तथा कुत्तों के भौंकने और लगातार इधर-उधर भागने के आधार पर, काफी सफलतापूर्वक किया; परंतु वही वैज्ञानिक सन् 1976 के विध्वंसक भूकंप की पूर्वसूचना नहीं दे सके। महाराष्ट्र के भूकंप के पूर्व भी वहाँ के निवासियों ने ऐसा दावा किया है कि पालतू पशु विचित्र व्यवहार कर रहे थे। जीव-जन्तुओं के विचित्र व्यवहार के अतिरिक्त, भूकंप पूर्व मिलने वाले कुछ मुख्य संकेत, जिनपर वैज्ञानिक बिरादरी एकमत हैं।

(1) उत्तर लिखिए: (2)

चीनी वैज्ञानिकों द्वारा भूकंप आने के पूर्वानुमान लगाने के आधार –

(i) ……………………………………….

(ii) ……………………………………….

(2) ‘भूकंप से होने वाली हानि से बचने के उपाय’ विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

## विभाग 2 – पद्य: 12 अंक

**2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:** **[6]**

मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयनकक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली …….
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(i) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो:

(1) टीन का पीपा – ……………………..

(2) कमरा – ……………………..

(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: (1)

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला।

.................. ..........................................

(3) अंतिम **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। (2)

**(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश दी गई पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]**

> एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
> वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।
>
> एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
> गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।
>
> डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
> तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।
>
> कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
> मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

**1. पद्यांश के आधार पर संबंध जोड़कर उचित वाक्य तैयार कीजिए: (2)**

| | | |
|---|---|---|
| (i) | जुगनू | धुंध |
| (ii) | रोशनी | तितली |
| | | मैं |

1. ...........................
2. ...........................

**2. i. निम्नलिखित के लिए पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)**

(1) लोगों का समूह – ...........................

(2) सीप में बनने वाला रत्न – ...........................

**ii. पद्यांश में आए 'पर' शब्द के अलग-अलग अर्थ लिखिए: (1)**

(1) ........................... (2) ...........................

**3. अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए: (2)**

## विभाग 3 – पूरक पठन: 8 अंक

**प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]**

> जिस गली में आजकल रहता हूँ– वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं।

**1. लिखिए: (2)**

**गद्यांश में उल्लेखित चिड़ियों की विशेषताएँ –**

(i) ....................................................

(ii) ....................................................

**2. ‘पक्षियों की घटती संख्या’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

**(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]**

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।

यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

**1. सूचनानुसार लिखिए: (2)**

1. ऐसी पंक्ति जिसमें पौराणिक संदर्भ है –

   ...................................................

2. ऐसी पंक्ति जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ हो –

   ...................................................

**2. ‘इतिहास हमें प्रेरणा देता है’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

## विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 14 अंक

**प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:**

**(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए: (1)**

श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है।

**(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: (1)**

i. वाह!

ii. के साथ

**(3) कृति पूर्ण कीजिए: (1)**

| शब्द | संधि-विच्छेद | संधि प्रकार |
|---|---|---|
| .................... | अंत: + चेतना | .................... |
| | **अथवा** | |
| सज्जन | .................... + .................... | .................... |

**(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए: (1)**

i. टैक्सी एक पतली-सी सड़क पर दौड़ पड़ी।

ii. यहाँ सुबह-सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी गईं।

| सहायक क्रिया | मूल क्रिया |
|---|---|
| .................... | .................... |
| .................... | .................... |

**(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए:** **(1)**

| क्र. | क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|---|
| i. | फैलना | ..................... | ..................... |
| ii. | लिखना | ..................... | ..................... |

**(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:** **(1)**

i. शेखी बघारना – ii. निछावर करना –

**अथवा**

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:

(बोलबाला होना, दुम हिलाना)

सिरचन को बुलाओ, चापलूसी करता हुआ हाजिर हो जाएगा।

**(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए:** **(1)**

i. करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।

ii. पर्यटन में बहुत ही आनंद मिला।

**(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:** **(1)**

मैंने कराहते हुए पूछा “मैं कहाँ हूँ”

**(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:** **(2)**

i. सातों तारे मंद पड़ गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) रूपा दौड़ते-दौड़ते व्याकुल होती है। (अपूर्ण भूतकाल)

(iii) हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

**(10)** (i) **निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:** **(1)**

काकी बुद्‌धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:** **(1)**

(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

(2) मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)

**(11)** निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए: **(2)**

(i) इस बार मेरी सबसे छोटि बहन पहली बार ससूराल जा रही थी।

(ii) आपने भ्रमन तो काफी की हैं।

(iii) व्यवस्थापकों और पुँजी लगाने वालों को हजारो-लाखो का मिलना गलत नहीं माना जाता।

## विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 26 अंक

**सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।**

**5. सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए:**

**(अ) (1) पत्रलेखन:** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

राधेय/राधा चौगुले, रामेश्वरनगर, वर्धा से दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त करने के कारण अभिनंदन करते हुए अपने मित्र/सहेली किशोर/किशोरी पाटील, स्टेशन रोड, जालना को पत्र लिखता/लिखती है।

**अथवा**

अशोक/आशा मगदुम, लक्ष्मीनगर, नागपुर से व्यवस्थापक, कौस्तुभ पुस्तक भंडार, सदर बाजार, नागपुर को प्राप्त पुस्तकों संबंधी शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

**(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों:** **(4)**

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे – जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब कि स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वहीं राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वहीं राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

**(आ) (1) वृत्तांत-लेखन:** **(5)**

विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर में संपन्न 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का रोचक वृत्तांत लेखन **60** से **80** शब्दों में लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

**अथवा**

**कहानी-लेखन:** **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग **70** से **80** शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर-दूर से पानी लाना – सभी लोग परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना – सारा गाँव श्रमदान में – गाँव के तालाब की सफाई – कीचड़, प्लास्टिक निकालना – बरसात में तालाब का स्वच्छ पानी से भरना।

**(2) विज्ञापन-लेखन:** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर **50** से **60** शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

**स्कूल बस के लिए ड्राइवर चाहिए**

| शैक्षिक अर्हता | अनुभव | व्यावसायिक अर्हता | वेतन | संपर्क: महात्मा हिंदी विद्यालय, पुणे। मो. नं. 2332422409 |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |

**(इ) निबंध-लेखन:** **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **80** से **100** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा भारत देश

(2) पर्यावरण संतुलन

(3) पुस्तक की आत्मकथा